Man ke dware khol ke de do apne moh ka daan re Kal ki maya kaun jaane kab nikle ye pran re Bhajans Bhakti Songs

मन के डोल खोल के दे आप अपना मो का दन रे
काल की माया कौन जाने अब निकले तुम प्राण रे

खली हाथ ही आयें और खली हाथ भी क्या है
इक हरि का नाम पुकारो गर मुखति को पाना है
छोड दो पापी जीवन और छोडो सारा अभिमान री
काल की माया कौन जाने अब निकले तु प्राण रे

पूजे मँदिर अउ शिवाले हँ हमर सब बीकर
मन है माया जाल में पूजा हो गई कासे अंखिरकर
तन के सुख की खातिर इन्सान बान गया शैतान री
काल की माया कौन जाने अब निकले तुम प्राण रे

सुंदर पावन नाम हरि का जसैं कंठ लगाय
हरि पुशप से साजा सा सूंदर है बन गया

भूल न जाना मन मंदिर में गिरिधर का गुनगन री
काल की माया कौन जाने अब निकले तुम प्राण रे

Source:
https://www.bharattemples.com/man-ke-dware-khol-ke-de-do-apne-moh-ka-daan-rekal-ki-maya-kaun-jaane-kab-nikle-ye-pran-re/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw